

Signature and Name of Invigilator

Roll No.

| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|

(In figures as per admission card)

1. (Signature) _____
(Name) _____

2. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D-0208

PAPER – III

Time : 2½ hours]

POLITICAL SCIENCE

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
10. There is NO negative marking.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

POLITICAL SCIENCE

राजनीति विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.
(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Read the following passage, and answer the questions given at the end of it. Each answer should be up to 30 words. Each question carries 5 marks.

Jawaharlal Nehru referred to the possibility of a conflict between the Fundamental Rights and Directive Principles and explained the difficulty thus :

The real difficulty which has come before us is this : The Constitution lays down certain Directive Principles of State Policy and after long discussion we agreed to them and they point out the way we have got to travel. The Constitution also lays down certain Fundamental Rights. Both are important. The Directive Principles of State Policy represent a dynamic move towards a certain objective. The Fundamental Rights represent something static, to preserve certain rights which exist. Both again are right. But somehow and sometime it might so happen that dynamic movement and that static standstill do not quite fit into each other.

A dynamic movement towards a certain objective necessarily means certain changes taking place : that is the essence of movement. Now, it may be that in the process of dynamic movement certain existing relationships are altered, varied or affected. In fact, they are meant to affect those settled relationships and yet if you come back to the Fundamental Rights, they are meant to preserve, not indirectly, certain settled relationships. There is a certain conflict in the two approaches, not inherently, because that was not meant, I am quite sure. But there is that slight difficulty and naturally when the courts of the land have to consider these matters, they have to lay

stress more on the Fundamental Rights than on the Directive Principles of State Policy. The result is that the whole purpose behind the Constitution, which was meant to be a dynamic constitution leading to a certain goal step by step, is somewhat hampered and hindered by the static element being emphasised a little more than the dynamic element and we have to find out some way of solving it.

If in protection of individual liberty you protect individual or group inequality, then you come into conflict with that Directive Principle which want a more rapid advance wherever possible to a state where there is less and less inequality. If individual liberty and freedom means the continuation of the existing inequality, then you become static, unprogressive and cannot change and you cannot realise that ideal of an equalitarian society which I hope most of us aim at.

निम्न लेखांश को पढ़िये तथा अंत में दिये गये प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक उत्तर तीस (30) शब्दों का होना चाहिये। प्रत्येक प्रश्न के पांच (5) अंक हैं।

जवाहरलाल नेहरू ने मौलिक अधिकारों और राज्य के नीतिनिर्देशक सिद्धान्तों के बीच संघर्ष का जिक्र किया था और इस समस्या को ऐसे स्पष्ट किया : वास्तविक मुश्किल जो हमारे सामने आई है, वो यह है : संविधान, राज्य के नीतिनिर्देशित सिद्धान्त निर्धारित करता है और लम्बी परिचर्चा के बाद हम उन पर सहमत हुए। वो बताते हैं कि हमें किस प्रकार आगे बढ़ना है, और हमारा मार्ग-दर्शन करते हैं। संविधान कुछ मौलिक अधिकार भी निर्धारित करता है। दोनों ही महत्वपूर्ण हैं। राज्य के नीतिनिर्देशक सिद्धान्त उद्देश्य को पूरा करने की गत्यात्मक चेष्टा/क्रिया का प्रतिरूपण करते हैं। मौलिक अधिकार, कुछ विद्यमान अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिये कुछ स्थैतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करते हैं। फिर दोनों ही ठीक हैं। परन्तु किंचित और कभी-कभी ऐसा हो सकता है कि गत्यात्मक क्रिया और स्थैतिक टिकाव एक दूसरे के दुरुस्त नहीं बैठते हैं।

किसी विशेष उद्देश्य की ओर गत्यात्मक संचलन का अनिवार्यतः अर्थ है कि कुछ परिवर्तन हो रहे हैं : यह संचलन का सार है। अब, ऐसा हो सकता है कि गत्यात्मक क्रिया/चेष्टा की प्रक्रिया में कुछ विद्यमान सम्बन्ध बदल जाते हैं, भिन्न हो जाते हैं, या प्रभावित होते हैं। वास्तव में, वो उन निश्चित सम्बन्धों को प्रभावित करने के लिये ही होते हैं और फिर भी, यदि आप मौलिक अधिकारों को दोबारा देखते हैं तो पाते हैं कि वो कुछ निश्चित /स्थायी सम्बन्धों को सुरक्षित रखने, पर अप्रत्यक्ष रूप से नहीं, के लिये ही होते हैं। इन दोनों उपागमों के बीच

कुछ संघर्ष है, अंतर्जात रूप से नहीं, क्योंकि इसका यह उद्देश्य नहीं था, मैं पूरा निश्चित हूँ। परन्तु हल्की सी कठिनाई है, और स्वभावतः, जब देश के न्यायलयों को इन मामलों पर विचार करना होता है, उन्हें मौलिक अधिकारों पर ज्यादा बल देना पड़ता है बजाय राज्य के नीति निर्देशित सिद्धान्तों के। परिणाम यह होता है कि संविधान, जिसको गतिशील संविधान बनना था, और सौपान-प्रति-सौपान विशेष लक्ष्य की ओर ले जाना था, के पूरे उद्देश्य को पूरा करने में रुकावट आती है, अड़चन पड़ती है। क्योंकि स्थैतिक तत्व को ज़रा ज्यादा महत्व दिया जा रहा है बजाय गत्यात्मक तत्व को महत्व देने के। और हमें इसका समाधान करने का कुछ तरीका ढूँढना है।

यदि व्यक्तिगत स्वाधीनता की सुरक्षा में, व्यक्तिगत या समुह की असमानता की भी सुरक्षा होती है, तो आप उस निर्देशित सिद्धान्त के साथ टकराते हैं जो जहाँ भी सम्भव हो उस स्थिति तक ज्यादा तीव्र गति से आगे बढ़ना चाहता है जहाँ, जहाँ तक सम्भव हो, कम से कम असमानता हो। यदि व्यक्तिगत स्वाधीनता और स्वतन्त्रता का अर्थ विद्यमान असमानता का जारी रहना है, तो आप स्थैतिक, अन-प्रगतिशील बन जाते हैं और आप बदल नहीं सकते हैं, और आप समतावादी समाज, जिसकी हम में से अधिकांश आशा करते हैं, को प्राप्त नहीं कर सकते हैं।

Answer the following questions :

निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. What do the Directive Principles of State Policy stand for ?

राज्य के नीति निर्देशित सिद्धान्त क्या संकेत करते हैं?

7. State Hobbes' theory of Individualism.

हॉब्स के व्यक्तिवाद के सिद्धान्त का वर्णन करें।

8. State M.N. Roy's views on State and Society.

राज्य और समाज पर एम.एन. राय के विचारों का वर्णन करें।

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह-बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. What is Mao's theory of Social change ?
माओ का सामाजिक परिवर्तन का सिद्धान्त क्या है?
22. Why and how is the US senate more powerful than the Rajya Sabha and the British House of Lords ?
क्यों और किसप्रकार अमरिकी सीनेट राज्य सभा और ब्रिटिश हाउस ऑफ लार्डस् से ज्यादा शक्तिशाली है?
23. Discuss the impact of regionalism upon Indian Politics.
भारतीय राजनीति पर क्षेत्रवाद के प्रभाव का विवेचन करें।
24. Why do we need a change in the orientation of bureaucracy in India ?
भारत में नौकरशाही के अभिमुखीकरण (orientation) में परिवर्तन की हमें क्यों जरूरत है ?
25. Discuss India's relations with Nepal in the context of recent developments.
हाल ही में उत्पन्न घटनाओं के संदर्भ में नेपाल के साथ भारत के सम्बंधों की चर्चा करें।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.
(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।
(40x1=40 अंक)

26. What are the major differences between 'Libertarianism' and 'Communitarianism' ?
स्वैच्छातन्त्रवाद और सामुदायवाद के बीच बड़े अन्तर क्या हैं?

OR / अथवा

Define Political Development and discuss the stages of Political Development.
राजनैतिक विकास को परिभाषित करें और राजनैतिक विकास की अवस्थाओं का विवेचन करें।

OR / अथवा

Write an essay on the phenomenon of Coalition Politics in India.
भारत में गठबन्धन राजनीति के परिदृश्य पर निबन्ध लिखें।

OR / अथवा

Critically examine Max Weber's theory of bureaucracy.
मेक्स वेबर के नौकरशाही के सिद्धान्त की समीक्षा करें।

OR / अथवा

Discuss the domestic roots of India's foreign policy.
भारत की विदेश नीति की घरेलू जड़ों की चर्चा करें।

| FOR OFFICE USE ONLY | | | | | | | |
|---------------------|----------------|-----------------|----------------|-----------------|----------------|-----------------|----------------|
| Marks Obtained | | | | | | | |
| Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained | Question Number | Marks Obtained |
| 1 | | 26 | | 51 | | 76 | |
| 2 | | 27 | | 52 | | 77 | |
| 3 | | 28 | | 53 | | 78 | |
| 4 | | 29 | | 54 | | 79 | |
| 5 | | 30 | | 55 | | 80 | |
| 6 | | 31 | | 56 | | 81 | |
| 7 | | 32 | | 57 | | 82 | |
| 8 | | 33 | | 58 | | 83 | |
| 9 | | 34 | | 59 | | 84 | |
| 10 | | 35 | | 60 | | 85 | |
| 11 | | 36 | | 61 | | 86 | |
| 12 | | 37 | | 62 | | 87 | |
| 13 | | 38 | | 63 | | 88 | |
| 14 | | 39 | | 64 | | 89 | |
| 15 | | 40 | | 65 | | 90 | |
| 16 | | 41 | | 66 | | 91 | |
| 17 | | 42 | | 67 | | 92 | |
| 18 | | 43 | | 68 | | 93 | |
| 19 | | 44 | | 69 | | 94 | |
| 20 | | 45 | | 70 | | 95 | |
| 21 | | 46 | | 71 | | 96 | |
| 22 | | 47 | | 72 | | 97 | |
| 23 | | 48 | | 73 | | 98 | |
| 24 | | 49 | | 74 | | 99 | |
| 25 | | 50 | | 75 | | 100 | |

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date